



Sample

29 May 2001

03:16 PM

Moradabad

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 112920

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुंडली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुंडली व वर्ष कुंडली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपको प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपको साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपको लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपको लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बताया गया है। इनसे संबंधित आपको लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाइयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपको भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपको कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में उपयोग करें व इसके अन्तरात्मा पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपको लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई भी पूर्णता नहीं है। अतः इसकी सहायता के लिए जिम्मेदार होइए।

লিঙ্গ _____: পুরুষ
জন্ম তারিখ _____: 29/05/2001
দিন _____: মঙ্গলবার
জন্ম সময় _____: 15:16:00 ঘন্টা
ইন্ট _____: 24:55:14 ঘটা
স্থান _____: Moradabad
রাজ্য _____: Uttar Pradesh
দেশ _____: India

অক্ষাংশ _____: 28:50:19 উত্তর
রেখাংশ _____: 78:46:23 পূর্ব
মধ্য রেখাংশ _____: 82:30:00 পূর্ব
স্থানীয় সংস্কার _____: -00:14:54 ঘন্টা
গ্রীষ্ম সংস্কার _____: 00:00:00 ঘন্টা
স্থানীয় সময় শোধন _____: 15:01:05 ঘন্টা
বেলাান্তর _____: 00:02:38 ঘন্টা
সাম্পাতিক কাল _____: 07:29:03 ঘন্টা
সূর্যোদয় _____: 05:17:54 ঘন্টা
সূর্যাস্ত _____: 19:06:57 ঘন্টা
দিনমান _____: 13:49:04 ঘন্টা
সূর্য স্থিতি -অয়ন _____: উত্তরায়ণ
সূর্য স্থিতি -গোল _____: উত্তর
ঋতু _____: গ্রীষ্ম
সূর্য ডিগ্রী _____: 14:13:03 বৃষ
লগ্ন ডিগ্রী _____: 25:39:19 কন্যা

অবকহড়া চক্র
লগ্ন-লগ্নাধিপতি _____: কন্যা - বুধ
রাশি-স্বামী _____: সিংহ - রবি
নক্ষত্র-চরণ _____: মঘা - 3
নক্ষত্র-স্বামী _____: কেতু
যোগ _____: ব্যাঘাত
করণ _____: বণিজ
গণ _____: অরি
যোনি _____: মূষক
নাড়ী _____: মধ্য
বর্ণ _____: ক্ষত্রিয়
বশ্য _____: বনচর
বর্গ _____: মূষক
মুন্ড _____: মধ্য
হংসক _____: অগ্নি
জন্ম নামাক্ষর _____: মু-মুকেশ
পায়া/রাশি-নক্ষত্র _____: লৌহ - রৌপ্য
সূর্য রাশি-পাশ্চাত্য _____: মিথুন

পঞ্জিকা

পিতামহের নাম _____ :
বাবার নাম _____ :
মায়ের নাম _____ :
জাতি _____ :
গোত্র _____ :

ক্যালেন্ডার	বর্ষ	মাস	তিথি/প্রবিশ্ট
রাষ্ট্রীয়	শক : 1923	জ্যৈষ্ঠ	8
পাঞ্জাবী	সম্বৎ : 2058	জ্যৈষ্ঠ	16
বাংলা	সন্ : 1408	জ্যৈষ্ঠ	15
তামিল	সম্বৎ : 2058	বৈকাশী	15
কেরালা	কোল্লম : 1176	ঈদম্	15
নেপালী	সম্বৎ : 2058	জ্যৈষ্ঠ	16
চৈত্রাদি	সম্বৎ : 2058	জ্যৈষ্ঠ	শুক্ল 7
কার্তিকাদি	সম্বৎ : 2058	জ্যৈষ্ঠ	শুক্ল 7

পঞ্জিকা

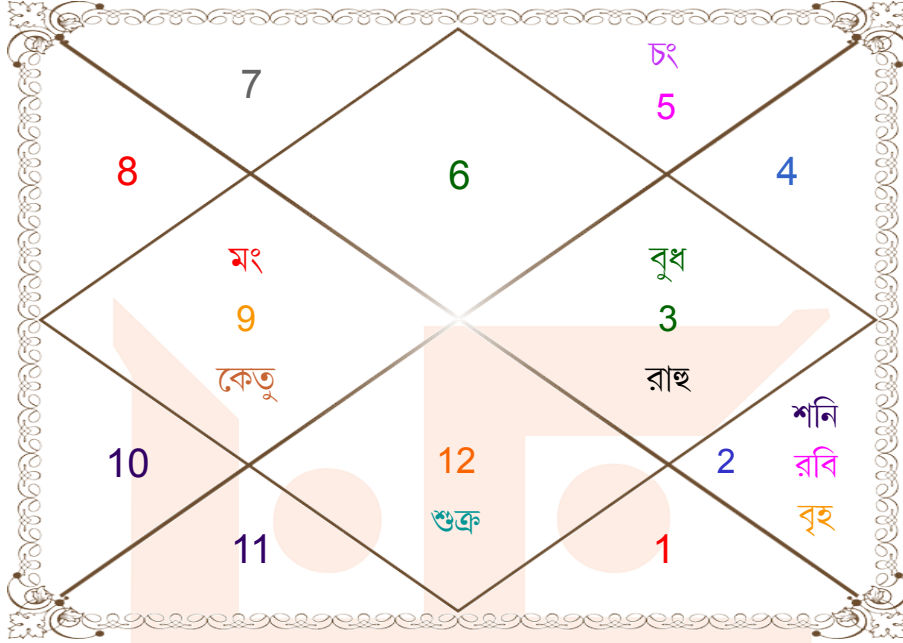
সূর্যোদয় কালীন তিথি _____ : 7
তিথির সমাপ্তিকালীন _____ : 16:45:37
জন্ম তিথি _____ : 7
সূর্যোদয় কালীন নক্ষত্র _____ : মঘা
নক্ষত্র সমাপ্ত কাল _____ : 25:18:54 ঘন্টা
জন্মকালীন যোগ _____ : মঘা
সূর্যোদয় কালীন যোগ _____ : ব্যাঘাত
যোগ সমাপ্ত কাল _____ : 17:59:36 ঘন্টা
জন্মকালীন যোগ _____ : ব্যাঘাত
সূর্যোদয় কালীন করণ _____ : গণ
করণ সমাপ্ত কাল _____ : 05:54:05 ঘন্টা
জন্মকালীন করণ _____ : বণিজ
ভয়ৎ _____ : 31:10:41
ভাবক _____ : 56:17:56
ভোগ্য দশা _____ : কেতু 3 ব 1 মা 12 দি

ঘাত চক্র

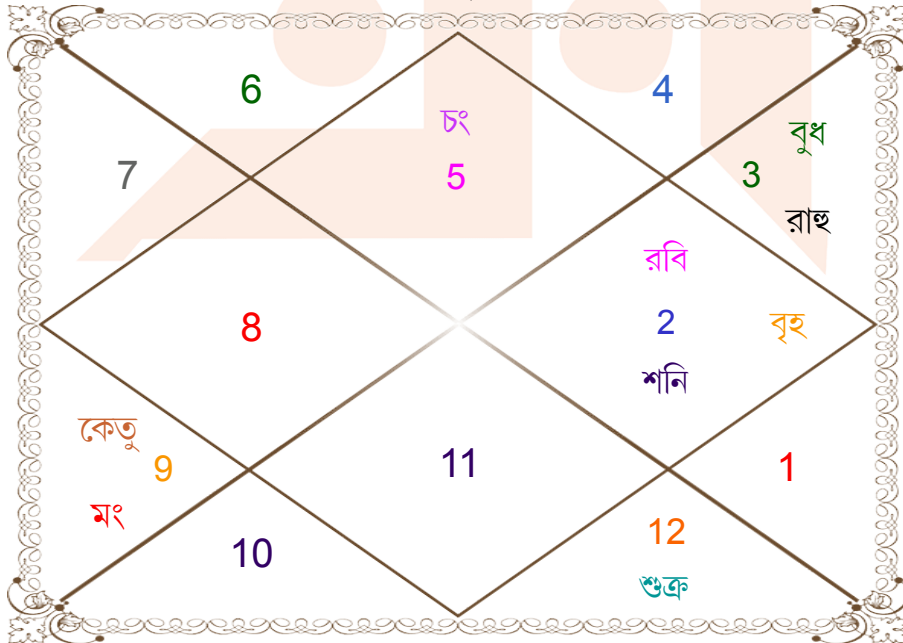
মাস _____ : জ্যৈষ্ঠ
তিথি _____ : 3-8-13
দিন _____ : শনিবার
নক্ষত্র _____ : মূলা
যোগ _____ : ধৃতি
করণ _____ : বব
প্রহর _____ : 1
বর্গ _____ : মার্জার
লগ্ন _____ : মীন
সূর্য _____ : ধনু
চন্দ্র _____ : মকর
মঙ্গল _____ : মকর
বুধ _____ : তুলা
বৃহস্পতি _____ : কুন্ত
শুক্র _____ : মীন
শনি _____ : বৃশ্চিক
রাহু _____ : মেঘ

জন্ম কুণ্ডলী

নগ্ন কুণ্ডলী



চন্দ্র কুণ্ডলী



লগ্ন কুন্ডলী ঔর দশা

লগ্ন কুন্ডলী

শুক্র		শনি রবি বৃহ	বুধ রাহু
			চন্দ্র
কেতু মং			লং

লগ্ন কুন্ডলী

শনি বৃহ			শুক্র
রাহু বুধ			
চন্দ্র			মং কেতু
		লং	

বিংশোত্তরী

কেতু 3ব 1মা 12দি

কেতু

29/05/2001

12/07/2117

কেতু	11/07/2004
শুক্র	11/07/2024
রবি	12/07/2030
চন্দ্র	11/07/2040
মঙ্গল	12/07/2047
রাহু	11/07/2065
বৃহস্পতি	11/07/2081
শনি	12/07/2100
বুধ	12/07/2117

য়োগিনী

ভদ্রিকা 2ব 2মা 22দি

সঙ্কটা

20/08/2016

20/08/2024

সঙ্কটা	31/05/2018
মঙ্গলা	20/08/2018
পিঙ্গলা	30/01/2019
ধান্যা	30/09/2019
ভ্রামরী	20/08/2020
ভদ্রিকা	30/09/2021
উলকা	30/01/2023
সিদ্ধা	20/08/2024

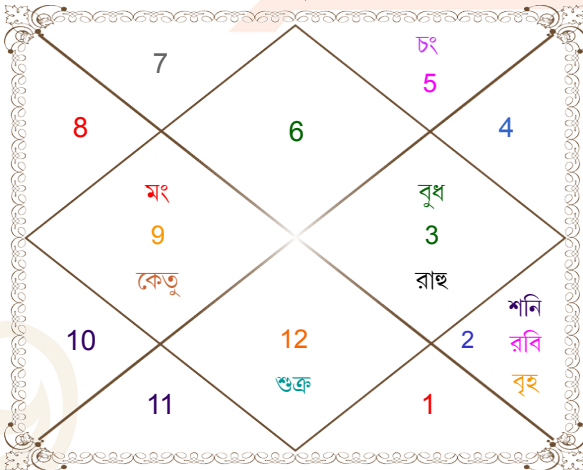
গ্রহের ডিগ্রী এবং তার অবস্থান

গ্রহ	রাশি	ডিগ্রী	অবস্থান	অক্ষ	শোয়া	ধর্মী	নেক/মন্দা
লগ্ন	কন্যা	25:39:19	—	—	—	—	নেক
রবি	বৃষ	14:13:03	শত্রুরাশি	—	—	—	নেক
চন্দ্র	সিংহ	07:23:36	মিত্ররাশি	—	—	—	মন্দা
মঙ্গল	ব ধনু	03:12:10	মিত্ররাশি	—	—	—	মন্দা
বুধ	মিথুন	04:47:20	স্বরাশি	—	—	—	নেক
বৃহস্পতি	বৃষ	25:55:55	শত্রুরাশি	—	—	—	নেক
শুক্র	মীন	28:47:57	উচচস্থ	—	—	—	মন্দা
শনি	বৃষ	10:59:30	মিত্ররাশি	—	—	হাঁ	মন্দা
রাহু	মিথুন	12:47:18	উচচস্থ	—	—	—	নেক
কেতু	ধনু	12:47:18	উচচস্থ	—	—	হাঁ	মন্দা

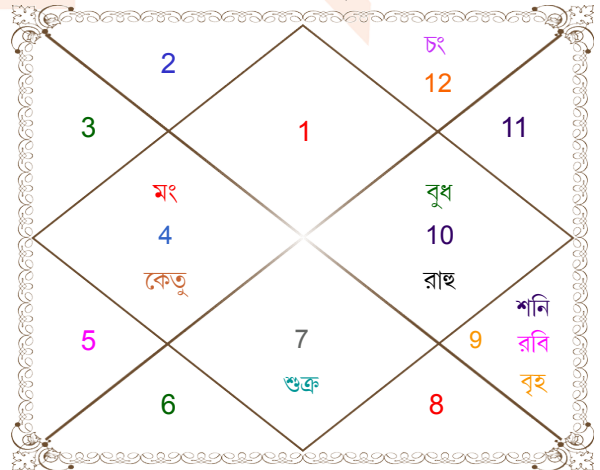
ভাব অবস্থান

খানা সংখ্যা	অধিপতি	শা গৃহ	ভাগ্য জগানোবালা	শোয়া	উঃ	নীঃ
1	মং	রবি	মং	হাঁ	রবি	শনি
2	শুক্র	বৃহ	চং	হাঁ	চং	—
3	বুধ	মং	বুধ	হাঁ	রাহু	কেতু
4	চং	চং	চং	—	বৃহ	মং
5	রবি	বৃহ	রবি	হাঁ	—	—
6	বুধ	বুধ,কেতু	কেতু	হাঁ	বুধ,রাহু	শুক্র,কেতু
7	শুক্র	শুক্র,বুধ	শুক্র	—	শনি	রবি
8	মং	মং,শনি	চং	হাঁ	—	চং
9	বৃহ	বৃহ	শনি	—	কেতু	রাহু
10	শনি	শনি	শনি	—	মং	বৃহ
11	শনি	শনি	বৃহ	হাঁ	—	—
12	বৃহ	বৃহ,রাহু	রাহু	—	শুক্র,কেতু	বুধ,রাহু

লগ্ন কুন্ডলী



লালকিতাব কুন্ডলী



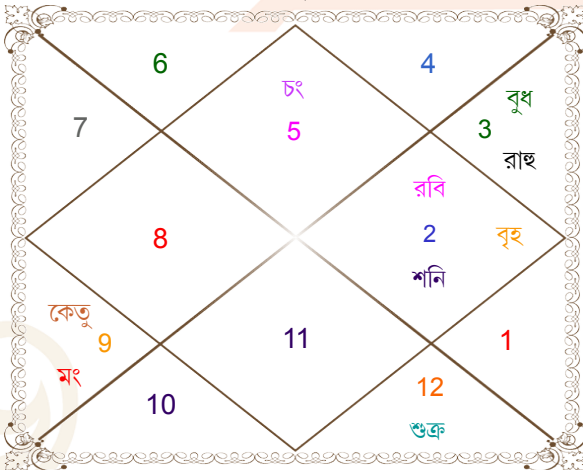
মৈত্রীচক্র সারণী

গ্রহ	রবি	চং	মং	বুধ	বৃহ	শুক্র	শনি	রাহু	কেতু
রবি	—	মিত্র	মিত্র	শত্রু	মিত্র	সম	সম	সম	শত্রু
চং	মিত্র	—	শত্রু	মিত্র	শত্রু	শত্রু	শত্রু	শত্রু	সম
মং	মিত্র	মিত্র	—	সম	মিত্র	শত্রু	শত্রু	শত্রু	সম
বুধ	মিত্র	সম	শত্রু	—	শত্রু	মিত্র	শত্রু	মিত্র	শত্রু
বৃহ	মিত্র	মিত্র	মিত্র	সম	—	সম	শত্রু	শত্রু	শত্রু
শুক্র	সম	সম	শত্রু	মিত্র	শত্রু	—	মিত্র	সম	মিত্র
শনি	সম	সম	সম	মিত্র	শত্রু	মিত্র	—	মিত্র	শত্রু
রাহু	সম	শত্রু	সম	মিত্র	শত্রু	সম	মিত্র	—	মিত্র
কেতু	শত্রু	সম	সম	শত্রু	শত্রু	মিত্র	শত্রু	মিত্র	—

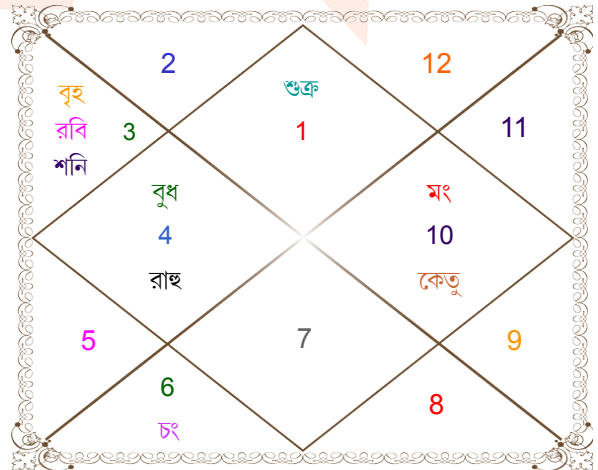
গ্রহ/রাশিফল

গ্রহ	বর্ণন	ফল
রবি	লম্বা আয়ু ভারী কবীলা।	—
চং	রাতের তূফান যাতে বসিত শেষ।	—
মং	জলতী আগ, বদীর সরদার।	রাশি
বুধ	প্রসন্নতা সহ নির্বাহ করার জন্য হজুরিয়া।	রাশি
বৃহ	ধন ত্যাগী।	গ্রহ
শুক্র	জৈসা য়হ বৈসী বহ পাবে সাথী কা প্রভাব, অকেলা নেক।	গ্রহ
শনি	কলম বিধাতা মকানা মর্দা।	রাশি
রাহু	সাংপ কী মণি য়া সাংপ কা ফন।	—
কেতু	বচেচাং কো ডডরানে বালা কু া।	রাশি

চন্দ্র কুন্ডলী



লালকিতাব চন্দ্র



লালকিতাব দশা

শনি 6 বর্ষ		রাহু 6 বর্ষ		কেতু 3 বর্ষ		বুধ 6 বর্ষ		রবি 2 বর্ষ	
29/05/2001		30/05/2007		29/05/2013		29/05/2016		29/05/2022	
30/05/2007		29/05/2013		29/05/2016		29/05/2022		29/05/2024	
রাহু	30/05/2003	মং	29/05/2009	শনি	29/05/2014	কেতু	29/05/2018	রবি	28/01/2023
বুধ	29/05/2005	কেতু	30/05/2011	রাহু	30/05/2015	বুধ	29/05/2020	চং	28/09/2023
শনি	30/05/2007	রাহু	29/05/2013	কেতু	29/05/2016	রবি	29/05/2022	মং	29/05/2024
চং 1 বর্ষ		শুক্র 3 বর্ষ		মং 6 বর্ষ		বুধ 2 বর্ষ		শনি 6 বর্ষ	
29/05/2024		29/05/2025		29/05/2028		29/05/2034		29/05/2036	
29/05/2025		29/05/2028		29/05/2034		29/05/2036		29/05/2042	
বুধ	28/09/2024	মং	29/05/2026	মং	29/05/2030	চং	28/01/2035	রাহু	29/05/2038
রবি	27/01/2025	শুক্র	30/05/2027	শনি	29/05/2032	মং	28/09/2035	বুধ	29/05/2040
চং	29/05/2025	বুধ	29/05/2028	শুক্র	29/05/2034	বুধ	29/05/2036	শনি	29/05/2042
রাহু 6 বর্ষ		কেতু 3 বর্ষ		বুধ 6 বর্ষ		রবি 2 বর্ষ		চং 1 বর্ষ	
29/05/2042		29/05/2048		30/05/2051		29/05/2057		30/05/2059	
29/05/2048		30/05/2051		29/05/2057		30/05/2059		29/05/2060	
মং	29/05/2044	শনি	29/05/2049	কেতু	29/05/2053	রবি	28/01/2058	বুধ	28/09/2059
কেতু	29/05/2046	রাহু	29/05/2050	বুধ	30/05/2055	চং	28/09/2058	রবি	28/01/2060
রাহু	29/05/2048	কেতু	30/05/2051	রবি	29/05/2057	মং	30/05/2059	চং	29/05/2060
শুক্র 3 বর্ষ		মং 6 বর্ষ		বুধ 2 বর্ষ		শনি 6 বর্ষ		রাহু 6 বর্ষ	
29/05/2060		30/05/2063		29/05/2069		30/05/2071		29/05/2077	
30/05/2063		29/05/2069		30/05/2071		29/05/2077		30/05/2083	
মং	29/05/2061	মং	29/05/2065	চং	28/01/2070	রাহু	29/05/2073	মং	30/05/2079
শুক্র	29/05/2062	শনি	30/05/2067	মং	28/09/2070	বুধ	30/05/2075	কেতু	29/05/2081
বুধ	30/05/2063	শুক্র	29/05/2069	বুধ	30/05/2071	শনি	29/05/2077	রাহু	30/05/2083
কেতু 3 বর্ষ		বুধ 6 বর্ষ		রবি 2 বর্ষ		চং 1 বর্ষ		শুক্র 3 বর্ষ	
30/05/2083		29/05/2086		29/05/2092		29/05/2094		30/05/2095	
29/05/2086		29/05/2092		29/05/2094		30/05/2095		29/05/2098	
শনি	29/05/2084	কেতু	29/05/2088	রবি	27/01/2093	বুধ	28/09/2094	মং	29/05/2096
রাহু	29/05/2085	বুধ	29/05/2090	চং	28/09/2093	রবি	28/01/2095	শুক্র	29/05/2097
কেতু	29/05/2086	রবি	29/05/2092	মং	29/05/2094	চং	30/05/2095	বুধ	29/05/2098
মং 6 বর্ষ		বুধ 2 বর্ষ		বুধ 2 বর্ষ		বুধ 2 বর্ষ		বুধ 2 বর্ষ	
29/05/2098		30/05/2104		30/05/2104		30/05/2104		30/05/2104	
30/05/2104		30/05/2106		30/05/2106		30/05/2106		30/05/2106	
মং	30/05/2100	চং	28/01/2105	চং	28/01/2105	চং	28/01/2105	চং	28/01/2105
শনি	30/05/2102	মং	29/09/2105	মং	29/09/2105	মং	29/09/2105	মং	29/09/2105
শুক্র	30/05/2104	বুধ	30/05/2106	বুধ	30/05/2106	বুধ	30/05/2106	বুধ	30/05/2106

স্টার্টব্যবসার লাল কিতাব দশা তিন চক্রে
উপরোক্ত তিথিগুলির দশা সমাপ্তির সময় বর্ণিত।
র জন্য উল্লেখ করা হল।

টেবে কী শ্রেণী

রত্ন গৃহ অক্ষ টেবা

লালকিতাব অনুসারে রত্ন গৃহকে নহোরাতা গৃহ ও বলা হয়। এই গৃহ দিনে দেখা যায় কিন্তু রাতে দেখা যায় না। এই গৃহ অর্দ্ধাঙ্গ গৃহ হিসাবে পরিচিত অর্থাৎ চতুর্থ স্থানে সূর্য এবং সপ্তম স্থানে শনি থাকার ফলে এই টেবাকে আধা অক্ষ টেবা বলা হয়।

এই প্রকার টেবা জাতকের ব্যবসায়িক, মানসিক অথবা পারিবারিক সুখ শান্তির জন্য অশুভ। সপ্তম স্থানে অবস্থিত শনি অত্যন্ত শক্তিশালী আকার ধারণ করে এবং জ্যোতিষ শাস্ত্রানুসারে সপ্তম স্থানে শনির দ্বিগুণ প্রাপ্তি ঘটে। এই ভাব যুক্ত শনি নিজের দশম দৃষ্টির দ্বারা সব কিছুকে প্রভাবিত করে এবং শত্রু দৃষ্টির প্রভাবে সূর্যের শুভ ফল অশুভ ফলে পরিণত করে দেয়। চতুর্থ স্থানে সূর্যের সপ্তম দৃষ্টি কর্ম ভাবের উপর প্রতিফলিত হয়েছে কর্ম ফলকে অসফলতায় পরিণত করে এবং সর্ব প্রকার মনের শান্তি বিনষ্ট করে। জন্মকুন্ডলীর উপর শনির অশুভ দৃষ্টি পরিলক্ষিত হবে। শনির অশুভ দৃষ্টি দূর করার জন্য শনির উপাসনা করা উচিত।

নিষ্কর্ষ

আপনার কুন্ডলী রতাংগ গৃহ দ্বারা প্রভাবিত নয়।

ধর্ম টেবা

লাল কিতাব অনুসারে কিছু ধর্মীয় টে বা আছে এবং এই ধর্মীয় টেবা উপর অশুভ গৃহের প্রভাব অত্যন্ত কম। যে টেবাতে বৃহস্পতির সহিত শনি শুভ স্থানে বিদ্যমান থাকে সেইসব টেবা ধর্ম টেবা হিসাবে পরিচিত হয়। ধর্ম টেবার অন্তর্ভুক্ত জাতকেরা সমস্যার সম্মুখীন হলে যখন সমস্ত পথ বন্ধ হয়েছে যায় তখন ঈশ্বর স্বয়ং তাদের জন্য সাহায্যের হাত বাড়িয়ে দেন। লাল কিতাব অনুসারে শনি গৃহ ভাগ্যবিপর্যয় এবং ভাগ্যোদয় উভয়ের জন্য দায়ী। টেবার মধ্যে বৃহস্পতির রাশিতে শনির অবস্থান হেতু শনির শুভ প্রভাব বৃদ্ধি পায়। বৃহস্পতি এবং শনির সংযুক্ত প্রভাবে অনেক দোষ দূর হয়েছে যায়। ষষ্ঠ , নবম , একাদশ এবং দ্বাদশ স্থানে বৃহস্পতি ও শনির সংযোগে সমস্যা এবং জীবনের সমস্ত উত্থান পতন নিয়ন্ত্রিত হয়ে যায়। এর প্রভাবে সর্ব প্রকার বিপদ ও বাধা বিয়ের সমাপ্তি ঘটে।

নিষ্কর্ষ

আপনার ঠিকুজী ধর্মীয় টেবা অন্তর্গত অতঃপর মুস্কিল অথবা কষ্টের সময় সমস্ত পথ অবরুদ্ধ হয়েছে জায়। সেই সময় দৈবীয়সহায়তা বা ঈশ্বর স্বয়ং আপনার সহায়তা করেন।

নাবালিক টেবা

জাতকের ১২ বছর বয়স পর্যন্ত জন্মকুন্ডলী পূর্বজন্মের ভাগ্যদ্বারা প্রভাবিত হয়। নাবালিক টেবা তখন বলা হয় যখন টেবার ১ , ৪ , ৭ অথবা ১০ স্থান অর্থাৎ কেন্দ্র স্থান খালি বা শুধু মাত্র পাপী গৃহ অর্থাৎ শনি, রাহু, কেতু অথবা একাকি বুধ অবস্থান করলে নাবালিক গৃহের টেবা হিসাবে পরিচিত হয়।

আপনার ভাগ্যের অবস্থা ১২ বছর পর্যন্ত সন্দেহপূর্ণ অবস্থায় থাকবে।

জ্যৈষ্ঠবিহ্বলকর্ষনুসার এক নাবালিক টেবার অন্তর্ভুক্ত জাতকদের উপর গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়। জীবনের উপর প্রতিফলিত দূষিত গৃহের প্রভাব দূর করার জন্য নিম্নলিখিত বিধি নিয়ম পালন করা উচিত।

১. আয়ুর প্রথম বছরে সপ্তম স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
২. আয়ুর দ্বিতীয় বছরে চতুর্থ স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
৩. আয়ুর তৃতীয় বছরে নবম স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
৪. আয়ুর চতুর্থ বছরে দশম স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
৫. আয়ুর পঞ্চম বছরে ঙ্গ একাদশ স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
৬. আয়ুর ষষ্ঠ বছরে তৃতীয় স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
৭. আয়ুর সপ্তম বছরে দ্বিতীয় স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
৮. আয়ুর অষ্টম বছরে পঞ্চম স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
৯. আয়ুর নবম বছরে ষষ্ঠ স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
১০. আয়ুর একাদশ বছরে প্রথম স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।
১১. আয়ুর দ্বাদশ বছরে অষ্টম স্থানের গৃহের প্রভাব প্রতিফলিত হয়।

নিষ্কর্ষ

আপনার ঠিকুঙ্গী নাবালিক গৃহের টেবা নয়।

লাল কিতাব অনুসার ঋণ ভার

জন্মকুন্ডলীতে অশুভ গৃহের প্রভাবে জাতক নানাভাবে ঋণী হয়ে পড়ে অর্থাৎ জাতকের উপর নানা ধরনের ঋণভার এসে পড়ে, যার ফলে জাতক জীবনে উন্নতির পথে বাধা প্রাপ্ত হয়। দোষ-যুক্ত গৃহের প্রভাবে শুভ গৃহও আশানুরূপ ফল দানে অক্ষম হয়ে পড়ে।

ঋণভার থেকে জাতকের মুক্ত হওয়া একান্ত জরুরী, তবেই জীবনের শেষপর্যায়ে গৃহের শুভ ফল লাভ করা সম্ভব হবে। নিম্নে বিভিন্ন প্রকার ঋণ কি কি পরিস্থিতিতে কিভাবে জাতকের উপর প্রভাব ফেলে তা বর্ণিত হোলো।

স্বঋণ

গৃহচলন :

যখন জন্মকুন্ডলীর পঞ্চম স্থানে পাপী গৃহ শূক্র, শনি ও রাহু অবস্থান করে তখন জাতকের উপর স্বঋণভার পড়ে।

লক্ষন :

এই ধরনের জাতকের কানুনী মোকদ্দমায় দন্ডভোগ করার সম্ভাবনা আছে এবং এদের মধ্যে দিয়্যদাঙ্গীণ্যকা সত্ত্বেও দন্ডভোগ করার ভীতি থাকে। এই ধরনের জাতকেরা শারীরিক দুর্বলতা, হ ফুসফুসের অসুস্থতা, হাতে পায়ে ব্যথা, চোখের কণ্ট ইত্যাদি হতে পারে।

প্রভাব :

জাতক নাস্তিক হয় এবং ধর্মকে উপেক্ষা করে। পূর্বপুরুষের রীতি নীতি উপেক্ষা করে এবং তার স্বাস্থ্য প্রতিকূল থাকবে।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী স্বস্থানমুক্ত।

মাতৃঋণ

গৃহচলন :

যখন জন্মকুন্ডলীর চতুর্থ স্থানে কেতু অবস্থান করে তখন জাতক অবশ্যই মাতৃঋণের দ্বারা ঋণী হয়।

লক্ষন :

এই ধরনের জাতকেরা কারো সহযোগীতা পাবে না এবং তাদের সকল প্রকার প্রচেষ্টা নিষ্ফল হবে। সরকারী শাস্তি হবে অথবা জরিমানা ভোগ করতে হবে। জাতকের পারিবারিক জীবন অশান্তিময় হয়ে উঠবে। অপরের বদনাম করা, জুতা চুরি ও অশিক্ষিত হওয়ার ফলে জাতকের শান্তিভঙ্গের সম্ভাবনা থাকবে। আত্মীয় স্বজনের অসুস্থতায় জাতকের অর্থের অপব্যয় হবে।

প্রভাব :

মাতৃখন দ্বারা প্রভাবিত জাতক মায়ের প্রতি অত্যন্ত উদাসীন হবেন এবং মায়ের সুখ স্ৰবাহন্দ্যের ব্যাপারে নজর দেবেন না। এই ধরনের জাতক মায়ের থেকে দুরে থাকবে অথবা মাকে গৃহহীন করে দেবেন।

যে সব জাতক মাতৃখন দ্বারা খনী তাদের গৃহের পাশে কুয়া, পুকুর, নদী অথবা নালা অবশ্যই থাকবে এবং এই ধরনের জলাশয়ে সাধারণতঃ লোক এবং জাতক নিজেও নোংরা ফেলে।

নিষ্কর্ষ

ঋ

উপায় :

আপনার জন্মকুন্ডলী মাতৃখনযুক্ত, সুতরাং মাতৃখন মুক্ত হওয়ার জন্য পরিবারের, রক্তসম্পর্কীয় সদস্যদের (ঠাকুরদা-ঠাকুরমা, বাবা-মা, জ্যাঠা-কাকা, ভাই-বোন ইত্যাদি) প্রত্যেকের কাছ থেকে সম পরিমান রূপা সংগ্রহ করে ওই দিনেই বহমান জলে প্রবাহ করে দিন।

পারিবারিক ঋণ

কারণ :

জাতকের জন্মকুন্ডলীর প্রথম অথবা অষ্টমস্থানে বুধ বা কেতু অথবা উভয়েই অবস্থান করলে জাতকের পারিবারিক ঋণ হয়।

লক্ষন :

কারো গর্ভবতী মহিষের বাচা দেওয়ার সময় মেরে ফেলা অথবা মারিয়ে দেওয়া, কারো বাড়ী তৈরী অথবা ভিত-খননের সময় জাদু-টোটকা করা, আত্মীয় পরিজনের সাথে মেলামেশা করা লোকেদের প্রতি ঘৃণা বা হিংসা, জন্মদিন বা পারিবারিক উৎসব ও খুশীর সময় অনুপস্থিত থাকা ইত্যাদি।

প্রভাব :

জাতক বন্ধুর সাথে বিশ্বাসঘাতকতা করে। অন্যের তৈরী কাজ খারাপ করে দেয়, পাকা ফসলের ক্ষয়ক্ষতিয়ে দেয়।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী পারিবারিকঋণ মুক্ত হবে।

কন্যা/বোন এর ঋণ

গৃহচলন :

জাতকের জন্মকুন্ডলীর তৃতীয় অথবা ষষ্ঠ স্থানে চন্দ্র অবস্থান করলে জাতকের উপর কন্যা বা ভগ্নি ঋণ হয়।

লক্ষণ/কারণ :

যৌবনে কাউকে ঠকানো, কোন মেয়ে বা বোনের প্রতি অত্যাচার, হত্যা অথবা নাবালিক কোন

শিশুকে লোভ দেখিয়ে অন্যায় কাজ করানো, বিক্রী বা অদল-বদল করা ইত্যাদি, কন্যা/ভগ্নী ঋণের সুচক হিসাবে পরিচিত।

জাতক কাউকে অপশব্দ বললে তা তলওয়ারের থেকেও বেশী ক্ষত সৃষ্টি করে। জাতকের শ্বশুরবাড়ী বা মামারবাড়ীর জন্য অশুভ। পুত্র জন্মের পরে পিতার ধন-দৌলত ও আয়ুর নাশ করে এবং মাতার মনে সন্তান মৃত্যুর ভয় থাকে। সম্বৎসরের আয় বর্ষায় শেষ হয়ে যায়। শুভ কার্যের সাথে সাথে অশুভ ফলও প্রাপ্ত হয়।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী কন্যা/ভগ্নী ঋন মুক্ত।

পিতৃ ঋণ

গৃহচলন :

জাতকের জন্মকুন্ডলীর ২/৫/৯ অথবা ১২ স্থানে শুক্ৰ, বুধ অথবা রাহ যেকোনো দুটি গৃহ অথবা তিনটি গৃহই অবস্থান করলে জাতকের উপর পিতৃঋণের ভার পড়ে।

লক্ষন/কারণ :

শুল্ক ঋণ বা পুরোহিত বদলানো অথবা কুল ঋণ বা পুরোহিতের সঙ্গে সম্বন্ধবিচ্ছেদ করা, ঋণগ্রহণের দ্বারা ঋণগ্রহণের পিতৃঋণে ঋণী হয়।

প্রভাব :

যতদিন না জাতকের বয়স্ক সদস্যের চুল পাকা, চুলের রঙ্গ হ্রাস হয়ে যাওয়া। ক্ষয় কাসির কষ্ট শুরু হয়। নিজের মাথায় সারা দুনিয়ার নোংরা কাজের কলঙ্ক লাগে। জাতকের আর্থিক অবস্থার অবনতি ঘটবে অর্থাৎ আর্থিক ক্ষতি, দৈহিক ক্ষতি এবং আধ্যাত্মিক ক্ষতি হবে।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী পিতৃঋণ মুক্ত হবে।

স্ত্রী ঋণ

গৃহচলন :

জাতকের জন্মকুন্ডলীর সপ্তম স্থানে সূর্য, রাহ বা চন্দ্র দুই বা তিনটি গৃহ একত্রে অবস্থান করলে জাতকের উপর স্ত্রীঋণের ভার পড়ে।

লক্ষন/কারণ :

পত্নীকে অভুক্ত রাখা, লোভবশতঃ কোন গর্ভবতী নারীর হত্যা অথবা তাকে নির্যাতন করা। জীব হত্যা করা, কোনো দাঁত যুক্ত জন্তু পালন করা। কারো জমি বা বাড়ী ঠকিয়ে নিয়ে তাকে দরিদ্র করা, বাড়ীর

দরজা দক্ষিণ দিকে থাকলে স্ত্রী ঋণ হয়।

প্রভাব :

কুষ্ঠ রোগ, চর্ম রোগ, যৌন রোগ ইত্যাদি হয়। স্ত্রী থাকাকালীন অন্য স্ত্রীর সাথে সম্বন্ধ করলে সারা জীবন অশেষ দুঃখ ভোগ করতে হয়।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী স্ত্রীঋণ মুক্ত হবে।

নির্দয়ী ঋণ

গ্রহচলন :

জাতকের জন্মকুন্ডলীর ১০ অথবা ১১ স্থানে সূর্য, চন্দ্র অথবা মঙ্গল এই দুটি বা তিনটি গ্রহ অবস্থান করলে জাতকের উপর নির্দয়ী ঋণ হয়।

লক্ষণ/কারণ :

মেশীনারী বা বাড়ী কেনার অগ্রিম দেওয়ার পরে না কেনা, পরীক্ষা হল থেকে বিনা দোষে বহিষ্কৃত করে দেওয়া, বড়োদের সাথে অকারণ বাগড়া ব মোকদ্দমা লড়া ইত্যাদি ঘটনা ঘটে।

প্রভাব :

সন্তান, শ্বশুরবাড়ীর অসময় মৃত্যু। গ্রহ-ক্রয়ের পরেও বসবাস করা অসম্ভব হয়। বাড়ী কেনার পরে সীড়ির মেরামত বা নতুন সীড়ি তৈরী করতে হয়। বিষপান অথবা বিষধর সাপের কামড়ে অথবা আগ্নেয়াস্ত্রে মৃত্যু হয়।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী নির্দয়ী ঋণ মুক্ত।

আজন্মকৃত ঋণ

গ্রহচলন :

জন্মকুন্ডলীর দ্বাদশস্থানে সূর্য বা শূক্র অথবা উভয়ে একত্রে অবস্থান করলে জাতক আজন্মকৃত ঋণের বশবর্তী হয়।

লক্ষণ/কারণ :

বৈদ্যুতিক তার লিক হওয়া, তীব্র জলপ্রবাহে, লক্ষ্ম-কোটপতি নিমেষে দারিদ্র কবলিত হয়ে বিনষ্ট হয়। সোনা হারানো, চুরি যাওয়া, মস্তকে আঘাত প্রাপ্তি, সারাজীবন অসাফল্যের সম্মুখীন হওয়া ইত্যাদি। হাঁপানি, শ্বাসকষ্ট, যক্ষ্মা, মৃগী রোগে অকালমৃত্যু যোগ। বুঝেবুঝে কাজ করার পরেও অসহায়তা ও দারিদ্রভোগ করা। বসতবাড়ির নীচ দিয়ে নোংরা জলপ্রবাহ বা বাড়ীর আগেপিছে নোংরা জমা হলে এই

আজন্মকৃত ঋণভার পড়ে।

প্রভাব :

মামলা মোকদ্দমার ফয়সালায় অহেতুক জরিমানা, শাস্তি বা জেল হবার সম্ভাবনা।
আত্মীয়স্বজনদের অশান্তির মধ্যে ফেলবেন। মামলা সংক্রান্ত ব্যাপারে পরাজয় হবে। নির্দোষ হওয়া সত্ত্বেও
দশভোগ করবেন। সন্তান সুন্দর কিন্তু রোগগ্ৰস্ত হবে।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী আজন্মকৃত ঋণমুক্ত।

ঈশ্বরীয় ঋণ

গ্রহচলন :

জাতকের জন্মকুন্ডলীতে ষষ্ঠ স্থানে চন্দ্র অবস্থান করায় ঈশ্বরীয় ঋণ হয়েছে।

লক্ষণ/কারণ :

কুকুরে কামড়ানো, ছাদ থেকে শিশুর পড়ে যাওয়া বা গাড়ী চাপা পড়া, পরিবারে কোন পুত্র
সন্তান জন্মায় না বা জন্মাবার পরে মৃত্যু হয়ে যায়। ডায়াবেটিস রোগগ্ৰস্ত, শিরদাঁড়ায় কণ্ট, মামারবাড়ীর
সুখশান্তি বিন
ষ্ট হওয়া, যাত্রায় বাধা, ক্ষতি বা দুর্ঘটনার সম্মুখীন হতে হয়।

প্রভাব :

যার উপর বিশ্বাস করবেন সেই বিশ্বাসঘাতকতা করবে। কুকুর মারা বা মারিয়ে দেওয়া, গরীব
বা ফকিরের অভিশাপ পাওয়া, নোংরা চিন্তা বা লোভের বশবর্তী হয়ে কারোর ক্ষতি করা, অন্যের সন্তানকে
অসৎপথে চালানো, নিজেও চরিত্রহীন হয়ে যাওয়া ইত্যাদি ঘটনা ঘটিত হয়।

নিষ্কর্ষ

আপনার জন্মকুন্ডলী ঈশ্বরীয় ঋণমুক্ত।

লাল কিতাব গ্রহ ফল

রবি

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে সূর্য্য নবমস্থানে অবস্থান হেতু আপনি অত্যন্ত ভাগ্যবান হবেন। আপনি যানবাহনের সুখ পাবেন এবং বড় পরিবারের সঙ্গে যুক্ত থাকবেন। আপনি দীর্ঘায়ু ও পরোপকারী হবেন।

এবং পিতা মাতার আশীর্বাদে রাজদরবারে সম্মান পাবেন। শত্রুরা আপনার দ্বারা পরাজিত হবে। তীর্থযাত্রা আপনার পক্ষে অত্যন্ত লাভদায়ক। আপনার পিতামাতা সুখ শান্তিতে বিরাজ করবেন। স্বভাবে অত্যন্ত উগ্ৰ বা অত্যন্ত নম্র হলে আপনি সবকিছু হারাবেন। আপনি বাল্যকালে খুব বিলাসিতার মধ্যে জীবন কাটাবেন। আপনি পরোপকারী হবেন। আপনি আপনার নাতী নাতনীদেব সুখী করবেন। আপনি পরিবারের জন্য সবকিছু ত্যাগ করবেন। আপনি অন্যকে সুস্থ হয়ে উঠতে সহায়তা করবেন। আপনার পিতা সরকারের পক্ষে থেকে সম্মানিত হবে।

উপায়বিধি :-

- আমার বাসনপত্র ব্যবহার করবেন।
- দুধ, চাল বা আটা ইত্যাদি দান সামগ্রী গ্রহণ করবেন না।
- অত্যন্ত রাগী বা অত্যন্ত সহনশীল হবেন।

চন্দ্র

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে চন্দ্র দ্বাদশস্থানে অবস্থান হেতু আপনার মনের সব ইচ্ছা পূরণ নাও হতে পারে। মানসিক অশান্তির জন্য আপনার ভাল ঘুম হবে না। আপনি লেখা পড়ায় ভাল না হওয়া সত্ত্বেও অস্বাভাবিক হবেন। মাতার স্নেহ থেকে বঞ্চিত হতে পারেন।

আর্থিক স্থিতি সুদৃঢ় থাকবে না। আপনার বর্তমান সময় ভাল যাবে। জল থেকে সাবধান হবেন, এতে আপনার ভয়ের কারণ আছে। শব্দশূন্যতার সম্পত্তি আপনার দুঃখের কারণ হবে। নারীর প্রতি আপনার দুর্বলতা থাকবে এবং নারী আপনার জীবনে দুঃখের কারণ হতে পারে। আপনি অলস, ধনহীন ও কমজোর হবেন। আপনার প্রত্যেক আনন্দের পর কিছু না কিছু দুঃখ ভোগ করতে হবে। আপনি স্বপ্নে ভবিষ্যতের কথা দেখতে পাবেন। লোকে আপনার উপর বিশ্বাস করে তাদের গোপন কথা আপনাকে প্রকাশ করবে এবং আপনি তাদের গোপনীয়তা বজায় রাখবেন। আপনার কথায় লোকেরা সন্তুষ্ট পাবে। আপনি পূর্বপুরুষদের কথা বাড়িয়ে বলবেন। আপনার সন্তান নিষ্কর্মা হতে পারে। আপনার পৈতৃক সম্পত্তি নষ্ট হয়ে যাবে। নিজের অর্জিত অর্থ আপনার জমা থাকবে। আপনার অনেক কষ্ট ভোগ আছে। বয়সের পর আপনার সুখ আসবে। আপনি এবং আপনার স্ত্রী চক্ষুরোগে ভুগতে পারেন।

উপায়বিধি :-

- ঘরের জলের মধ্যে অম্ল মিশ্রিত করে
- ঘরে বৃষ্টির জল ধরে রাখবেন।
- ঘরের ছাদে জলের কল বসান।
- ১৬ লিটার বৃষ্টির জলের মধ্যে চারটে চৌকা রূপোর টুকরো ফেলে তা বাড়ীতে রাখবেন।

মঙ্গল

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে মঙ্গল চতুর্থস্থানে অবস্থিত। আপনি মঙ্গলিক, আপনার মনের ভেতর ঐতিহাসিকের আঁচড়কেও জ্বালিয়ে দিতে পারেন। এমনিতে আপনি শান্ত স্বভাবের মানুষ। আপনি অন্যের অনিষ্টকারী। আপনি নিজেই বাবা মা, শ্বশুরা ও স্ত্রীর মৃত্যুর কারণ হবেন। সাধারণতঃ লোকেও আপনার সঙ্গে শত্রুতা করবেন। সন্তান প্রাপ্তিতে কিছু বাধার আশঙ্কা আছে। নিজের এবং শ্বশুরবাড়ীতে কিছু ক্ষয়ক্ষতির সম্ভাবনা আছে। অন্য কেউ আপনাকে অতিষ্ঠ করলে তার জবাব দিতে আপনি সাহসিকতা অবলম্বন করবেন। আপনি নিজের পরিবারের লোকেদের সাহায্য করবেন। কারো ক্ষতি করবেন না। দুর্ঘটনা থেকে সাবধানে থাকবেন। সুখ প্রাপ্ত করতেও আপনি উগ্র মেজাজে চলবেন। সুখ প্রাপ্তিতে বাধার যোগ আছে।

সুখের উপকরণ থাকা সত্ত্বেও আপনি সুখী হবেন না। নিজস্ব বাড়ী ও গাড়ী হবে। মনের মধ্যে সদা উত্তেজনা থাকবে। মায়ের ভালবাসা পাবেন। মায়ের স্বাস্থ্য সাধারণ থাকবে। পারিবারিক গৃহ ছেড়ে বাইরে অন্য ঘরে থাকা লাভদায়ক হবে।

উপায় বিধি :-

- মা, বানর এবং সাধু সন্ন্যাসীর সেবা করুন।
- অঙ্গহীন ব্যক্তির কাছ থেকে দূরে থাকুন।
- চিনি, মিষ্টি বা মধুর কারবার করবেন না।
- রাবড়ী জলে ভাসিয়ে দিন।
- চন্দ্রের উপবাস করুন।
- হরিণের চামড়া ব্যবহার করুন।
- স্নানোত্তমের আংটি ধারণ করুন।
- ৪০০ গ্রাম চাল, দুধ দিয়ে ধুয়ে কম করে ৭ মঙ্গলবার বহমান জলে ভাসান।

বুধ

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে বুধ দশমস্থানে অবস্থিত। এর কারণে আপনি আপনার বিভাগীয় অধিকারীদের প্রিয় হবেন। আপনি সঠিকপথে জীবিকা নির্বাহ করবেন। আপনি সকলের সঙ্গে সু-ব্যবহার করবেন এবং নীতিশাস্ত্রে নিপুন হবেন। আপনি ঠিকাদারী কাজের দ্বারা ধন উপার্জন করবেন। আপনি মদ্যপান এবং আমিষ খাদ্য ব্যবহার থেকে দূরে থাকবেন। আপনি অন্যের খোশামোদ করতে কুশলতা প্রবন। আপনি নিজের সুস্বপ্ন, মোলায়েম কথা দিয়ে কাজ হাসিল করবেন। আপনি সামুদ্রিক যাত্রা এবং বিদেশ যাত্রা সফল হওয়ার কারণে পৃথিবীতে পরিচিতি হতে পারেন। আপনি মতলববাজ হবেন। অন্যের ক্ষতি করার অভ্যাস থাকবে। কিন্তু অন্যের কথায় সায় দেওয়া বা খোশামুদি করায় আপনি কুশল। আপনি মিষ্টি মিষ্টি কথা বলে সবাইকে মোহিত করে রাখেন। ব্যবসাতে ঘরের লোকেরও শ্রীবৃদ্ধি হবে। অঙ্গপন্নিবন্ধনকারী। কুশল প্রায়শঃই মদ্যপান আপনার জন্য ক্ষতিকারক। চিত্তবিক্ষুব্ধতার কারণে দোষী বলে মনে হতে পারে। আপনি অন্যের জন্য বুদ্ধিহীন সাথীর ন্যায়। বয়সের পর থেকে আপনার জীবন ভাল কাটবে এবং আর্থিক শ্রীবৃদ্ধি হবে।

উপায় বিধি :-

- চওড়া পাতাওয়ালা গাছ লাগাবেন না।
- ঘরে মানীপ্লান্ট এবং তুলসী গাছ লাগাবেন না।
- মাছ, মাংস এবং মদ্যপান বর্জন করুন।
- ৪৮ বছর বয়সের পর বাড়ী বানান।
- ক্ষেত্রের ইউটেলিটি চিহ্নে র
- শনি দেবতার উপবাস করুন।

বৃহস্পতি

আপনার জন্মকুন্ডলীতে বৃহস্পতি নবমস্থানে অবস্থিত। এর কারণে আপনি নয়া নিধী এবং স্বামীসিদ্ধিাৎ খুব ভাগ্যশালী হবেন। আপনি নিজ ধর্মে অটল এবং কথায় খাঁটি থাকবেন। কিন্তু ভ্রমপূর্ণকর্মকরনেপূর্ণাপ্রাপ্তকে স্নেহবে। আপনার জীবনে কখনও অর্থের অভাব বোধ হবে না। আপনার জীবনে যতই দুঃসময় আসুক না কেন আপনি সমাজের জন্য কিছু করে যাবেন। আপনি কাজ করলে অনেক লাভ হবে। আপনার ঘরের প্রতিষ্ঠা ঠিকমত থাকবে। তীর্থস্থান ভ্রমণ আপনার শখ হবে। আপনি ধর্মাত্মা, জ্যোতিষী, বৈদ্য, সিদ্ধপুরুষ হবেন। আপনি আপনার পূর্বজনদের মাধ্যমে প্রগতির পথে এগিয়ে যাবেন। আপনার উপর ভাগ্যের শ্রেষ্ঠ প্রভাব পড়বে অর্থাৎ আপনার ৩৬ বছর বয়সেই ধন প্রাপ্তি হবে। আপনি সম্মানিত এবং ধনী পরিবারে জন্মাবেন। আপনি নিজ পরিশ্রমের দ্বারাও অর্থ উপার্জন করবেন। আপনার অভ্যাস রাজাদের মতন হবে। আপনি আধ্যাত্মিক দিক থেকে যোগী স্বভাবের হবেন। আপনার স্বাস্থ্যেরভাল ম্যাক্সিমে, অশুনিওউন্নতিরকরবেন। আপনার জীবনে বয়সে বিশেষ ধন প্রাপ্তি যোগ আছে। আপনি সন্তানদের কাছ থেকে অনেকবার দুঃখ পাবেন। আপনার হার্টের অসুখ হবার সম্ভাবনা আছে। সারা দুনিয়ার সঙ্গে লড়াই করে আপনি নিজের ভাগ্য তৈরী করবেন।

আপনি ভাগ্যবাদী, ভাগ্য নির্মাণকর্তা হবেন। আপনার গৃহস্থ সুখ বাড়বে। এর শুভ প্রভাব পুরো পরিবারের উপর ভাল ফল দেবে। আপনার আর্থিক স্থিতি শুভ করার জন্য ভাগ্য পুরো সহায় হবে।

উপায় বিধি :-

- প্রতিদিন মন্দিরে গিয়ে ভগবান দর্শন করুন।
- গঙ্গাস্নান এবং গঙ্গাজল পান করুন।
- তীর্থযাত্রা করুন।
- অন্যের সহযোগীতা করুন।
- সাধু সন্তকে দান করুন।
- ধার্মিক হোন, সত্য বলুন।

শুক্র

আপনার জন্মকুন্ডলীতে শুক্র সপ্তমস্থানে অবস্থিত। এর প্রভাবে এটা পরিষ্কার যে আপনার ঘরে শ্বাশুড়ী ও বধুর মধ্যে এবং মা ও মেয়ের মধ্যে ভালবাসা থাকবে। বৈবাহিক সম্পর্ক ও সন্তান উৎপত্তিতে অসুবিধা হতে পারে। আপনার ঘরে লক্ষ্মীর ভাল প্রভাব থাকবে। আপনার সাদা গাভী পোষা উচিত হবে না, এটা অশুভ। লক্ষ্মী-শ্রীবুদ্ধিরুখকরনে কর্মসংস্থানে আপনার কষ্ট থাকবে। এরপর থেকে জীবনভর সময় সুখময় থাকবে। আপনি দীর্ঘায়ু হবেন। চামড়ার মানিব্যাগে টাকা রাখবেন না। আপনার

উপার্জিত অর্থে স্ত্রী পক্ষের লাভ হবে। বিয়েতে ব্যবহার্য এবং উপযোগী বস্তুর কারবার এবং বিউটি পার্কার চালালেও ভাল লাভ হবে। আপনি কৃষিযোগ্য জমি পাবেন। আপনার ভাল বাড়ী এবং গাড়ীর সুখভোগ হবে। পরস্পরের সঙ্গে প্রেম কু-প্রভাব বয়ে আনবে। কানা বা কালো নারীর সঙ্গে সম্পর্কে ভাল ফল হবে। আপনার কাজ কারবারে ভাই, বন্ধু-স্বামীর ছাপনার সম্পত্তি ওড়াবে। এরাই আপনার কারবারে বাধা দেবে। বয়স পর্যন্ত খুব স্ত্রীসুখ পাবেন। ঘরের থেকে দূরে সমুদ্র যাত্রা দ্বারা উপার্জন হবে। আপনার নিজ জন্মস্থানে খুব ভাল হবে না। আপনার মৃত্যুর সময় কোন স্থান হতে খুব তাড়াতাড়ি ঘরে ফিরে আসবেন। শ্বশুরবাড়ীর লোককে কারবারে সাথে রাখবেন না।

উপায় বিধি :-

- লাল গাড়ীর সেবা করুন, তাকে খাবার খাওয়ান।
- মা-বাবার থেকে সদা আশীর্বাদ নেন।
- নোংরা নালায় নীল ফুল ফেলবেন।
- যৌতুকে পিতলের বাসন নেন।
- শুক্রবার কাঁসার বাসন দান করুন।

শনি

আপনার জন্মকুন্ডলীতে শনি নবমস্থানে অবস্থিত। যার প্রভাবে আপনি পরোপকারী হবেন এবং এতে আপনার ভাল লাভও হবে। আপনি বড় পরিবারের সদস্য হবেন। আপনি ভাই ও বন্ধুর সহযোগ পেয়ে ধনবান হবেন। আপনার জীবনে ঘর, বাড়ীর কোন অভাব হবে না। সন্তান পক্ষ ভাল থাকবে। আপনার বাড়ী বানানোর কাজে বা চলা ফেরার কাজে লাভ হবে। আপনার অনেক পুত্র ও কন্যা হবে। কিন্তু সন্তান প্রাপ্তিতে বিলম্ব হতে পারে। আপনার স্ত্রী ধনী পরিবারের হবে। আপনার কাছে প্রচুর পরিমাণে ধন থাকবে। আপনি ধনের বিষয়ে বেহিসাবী থাকবেন। যদিও ধন-সম্পত্তি থাকবে তবুও আপনি দুঃখী থাকবেন। আপনি উদার প্রকৃতির, জমিজমার মালিক, সদা সুখী এবং দীর্ঘায়ু হবেন। মা-বাবার উত্তম সুখ প্রাপ্তি হবে। আপনি পরোপকারী এবং সেবাপরায়ন হবেন। বাড়ীর ছাদে দরজা, কাঠ রাখা ভাগ্যহীনতার পরিচয়। আপনি বিদ্বান হবেন। আপনার উপর কোন ধারের বোঝা পড়বে না। আপনার ভাগ্য আপনার মা-বাবার ভাগ্যের থেকে ভাল হবে। আপনার পত্নী ভাগ্যবতী এবং ধনী পরিবারের হবেন। পয়সার প্রতি খুব মোহ করবেন না। আপনি সুদের কারবার করলে লোকসান হবে। আপনার মনে অন্যের প্রতি প্রতিশোধ নেবার স্পৃহা থাকবে। অগ্নিকান্ডের আশঙ্কা আছে। আপনার শ্বাসকণ্ঠের রোগ হতে পারে। আপনি তীর্থযাত্রা করবেন। আপনি ধর্মীয় মানসিকতার হবেন। আপনার ভাগ্যোন্নতি হবে। অধিক শুভফল প্রাপ্ত হবে।

উপায় বিধি :-

- ঘরের শেষ ভাগে অশুকার কুঠরী বানাবেন।
- ঘরের ছাদে ঘাস, কাঠ ইত্যাদি রাখবেন না।
- বৃহস্পতির দোষ কাটান।

রাহু

আপনার জন্মকুন্ডলীতে রাহু দশমস্থানে অবস্থিত। এর প্রভাবে আপনি সুশীল, সু-স্বভাব, সাহসী এবং প্রতাপশালী হবেন। আপনার প্রতিটি কাজ প্রশংসার যোগ্য হবে। আপনি উচ্চ চিন্তাধারার মানুষ।

সকলের কাছেই আপনি যথোচিত সম্মান পাবেন। আপনি বড় কারখানার মালিক হয়ে বা উচ্চ পদে থেকে বিশাল সম্পত্তি অর্জন করবেন। আপনি বড় ব্যবসায়ী এবং নিশ্চিত ধনবান হবেন। আপনার জীবনে রাজযোগের কারণে সুখ প্রাপ্তির আশা আছে। অযথা ব্যয় থেকে সাবধান হন। মাথার চুল তাড়াতাড়ি সাদা হবে, কিন্তু আপনি ডাই করবেন না। আপনি উচ্চ চরিত্রের হবেন।

যদি আপনি মাথায় টুপি বা পাগড়ী না পরেন, উচ্চপদস্থদের আফিসরদের সাথে ঝগড়া-ঝাঁটি করেন অথবা অন্য কোনো কারণে রাহ দুর্বল হয়, তাহলে মা-বাবার কণ্ঠের আশঙ্কা আছে। অযথা ব্যয়ে সম্পুখিন হবেন। শরীরে কোন রোগ সৃষ্টি হতে পারে। ধন সম্পত্তির লোকসান হতে পারে। আপনার কোন না কোন ব্যয়সাপেক্ষ শখ বিদ্যমান থাকতে পারে, সাবধান হোন। আপনি নিজের হাতে সম্পত্তি বিক্রি করেও দিতে পারেন। আপনার মেজাজী মনোভাব অন্যের সঙ্গে শত্রুতার সৃষ্টি করতে পারে। মায়ের জন্য কণ্ঠের সময় আসতে পারে। আপনার কৃপণতা শত্রুতার কারন হতে পারে। চোখে খারাপ প্রভাব পড়তে পারে। মাথার যন্ত্রণায় আপনার কণ্ঠ বাড়তে পারে। কোন কালো ব্যক্তি আপনার ধন সম্পত্তি নাশ করতে পারে। সরকারী আফিসরদের সাথে ঝগড়া ঝাঁটিতে, উঁচু জায়গা থেকে পড়ে অথবা অসুস্থতার কারণে অর্থব্যয় হতে পারে।

উপায় বিধি :-

- মাথায় টুপি, পাগড়ী যেকোন কাপড় বাঁধুন।
- যব অংধকার স্থানে মাটিতে পুঁতে দিন।
- মিষ্টি বস্তু অংধকে ভোজন করান।

কেতু

আপনার জন্মকুণ্ডলীতে কেতু চতুর্থস্থানে অবস্থিত। এর প্রভাবে আপনি পুর্ণতর আশ্চিতক হবেন। সকল কাজ ধৈর্য সহকারে করবেন। সকলের সঙ্গে আপনার ব্যবহার সৌহার্দ্যপুর্ণ থাকবে। আপনি আশাবাদী, রু ও পিতৃসেবায় সংলগ্ন, চরিত্রবান এবং যা পাবেন তাতে খুশী থাকবেন। আপনার কন্যা ভাগ্যবতী হবে ও আপনার জন্য লক্ষ্মী স্বরূপা হবে।

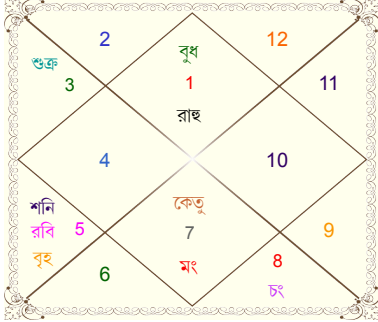
কন্যা জন্মবার পর আপনার ঘর ধনধান্যে পুর্ণ হয়ে উঠবে। পিতা এবং গুরুভক্তি বাড়িয়ে দেবে। আপনার জমি-জায়গা সংক্রান্ত আইনি সমস্যার উদ্ভব হতে পারে। মায়ের কণ্ঠের আশঙ্কা আছে। দেরীতে সন্তান হওয়ায় সুখ কম হতে পারে। পুত্র সন্তানের চেয়ে কন্যা সন্তান অধিক হবে। আপনি নিজে এবং আপনার পুত্র দীর্ঘায়ু হবে। মধুমেহ রোগের আশঙ্কা আছে। কুলপুরোহিতকে হলুদ রঙের বস্তু দান করা উচিত। আপনার ভাল বাড়ী এবং গাড়ীর সুখ প্রাপ্ত হবে। আপনি অনেক দিন পর্যন্ত পিতৃসুখে সুখী হবেন।

উপায় বিধি :-

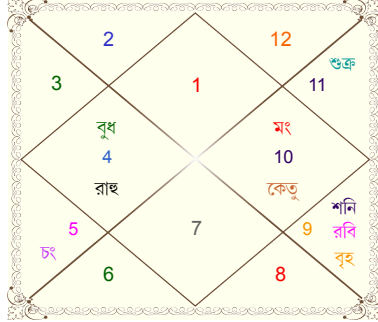
- গুচ্ছ, ছত্রাকান্ধা, হলুদ রঙের কাপড়ে বেঁধে কুল পুরোহিতকে দান করে তাঁর আশীর্বাদ নিন।
- ছোলার ডাল স্নোতের জলে ভাসিয়ে দিন।
- স্নপো ধারণ ক রুন। বৃহস্পতির বন্দনা করুন।
- সূর্যের বস্তু কুলপুরোহিতকে দান করুন।

লাল কিতাব - বর্ষকুন্ডলী

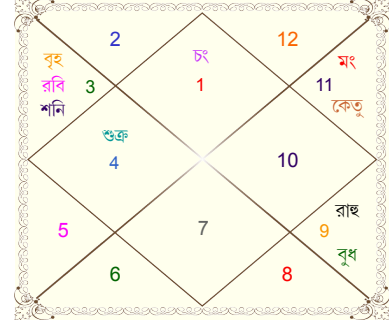
2022



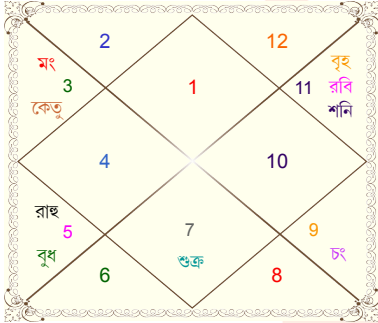
2023



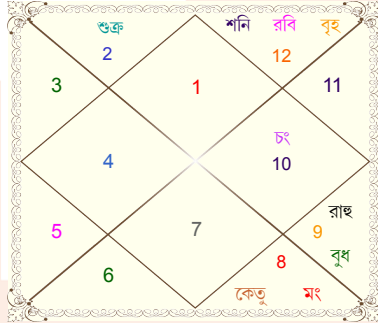
2024



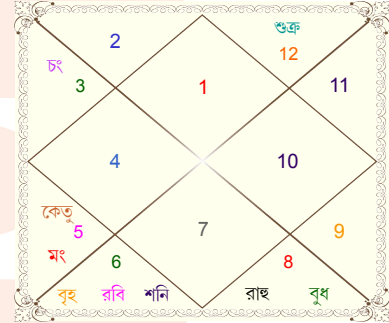
2025



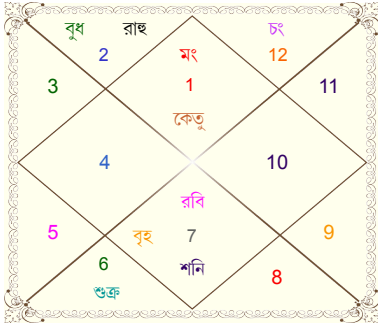
2026



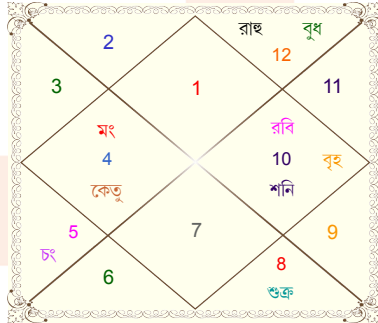
2027



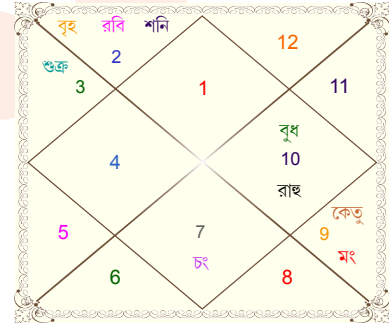
2028



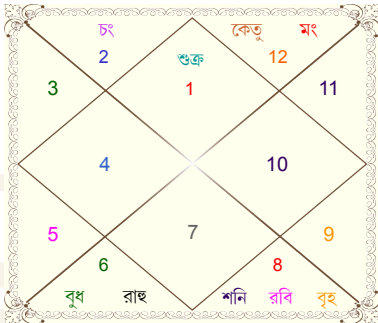
2029



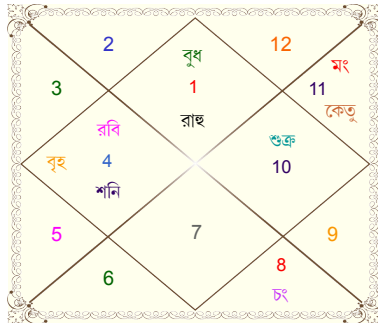
2030



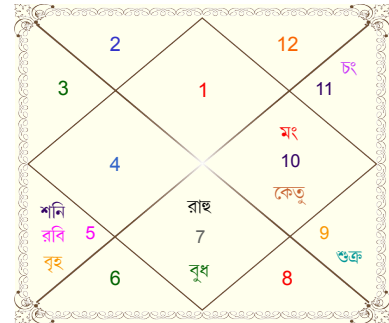
2031



2032



2033



লাল কিতাব বর্ষফল 2022-2023

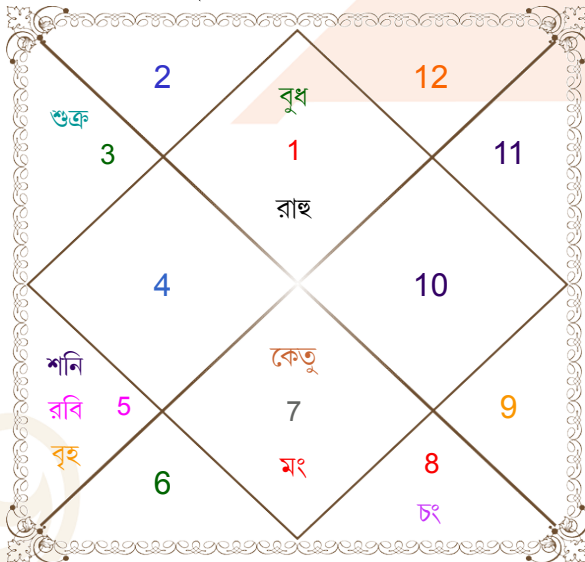
বর্তমান বয়স - 22
বর্তমান দশা - রবি

গ্রহ	অক্ষ	শোয়া	ধর্মী	নেক/মন্দা
রবি	--	হাঁ	--	নেক
চং	--	হাঁ	--	মন্দা
মং	--	--	--	মন্দা
বুধ	--	--	--	নেক
বৃহ	--	হাঁ	--	নেক
শুক্র	--	হাঁ	--	মন্দা
শনি	--	হাঁ	হাঁ	মন্দা
রাহু	--	--	--	নেক
কেতু	--	--	--	মন্দা

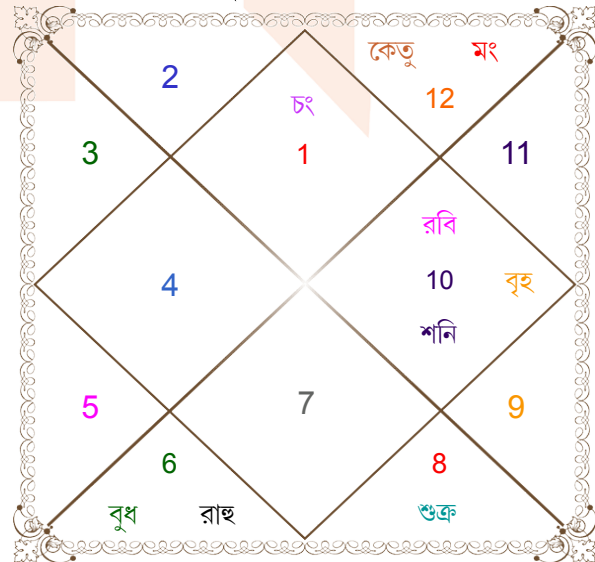
ভাব অবস্থান

খানা	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
শোয়া	--	--	--	হাঁ	--	হাঁ	--	--	--	হাঁ	--	--

বর্ষ কুন্ডলী ২০২৩



বর্ষ চন্দ্র-কুন্ডলী



লাল কিতাব বর্ষফল 2022-2023

রবি

আপনার বর্ষফল অনুসারে এই কারণে বর্তমান বছরে আপনার পরিবারের ভাগ্যোন্নতি হবে, যদি রাজা আপনার ভালো না করে, তাহলে ফকীর আপনার ভালো করবে, সরকারী অধিকারীদের সঙ্গে মধুর সম্বন্ধ তৈরী হবে, পরিবারের উন্নতি হবে। গুপ্তবিদ্যা বা জ্যোতিষচর্চায় রিচি থাকবে, হঠাৎ ধনপ্রাপ্তি যোগ আছে বা সরকারী বিভাগ থেকে লাভ পাবেন।

স্বর্ষেক্ষিতু নিম্নলিখিত কর্ম পরিত্যাগ করুন।

বর্জিত কার্য :

১. ঈর্ষার মনোবৃত্তি রাখবেন না।
২. মিথ্যা বলবেন না, ঠাট্টা খাবেন না/খাওয়াবেন না।

চন্দ্র

আপনার বর্ষ কুণ্ডলীতে চন্দ্র ৮মে অবস্থিত, এই কারণে এই বছর আপনি মাতা-পিতার সুখ কম পাবেন। জ্বরী-জুয়ার ব্যাপারে ক্ষতি হবে। মামারবাড়ীর থেকে কষ্ট বা তাদের সাথে ঝগড়া হবে। মনের শান্তি হওয়া, বিদ্যায় বাধা বা মাতার সুখ হানি যোগ, আপনাকে ঘর থেকে দূরে থাকতে হতে পারে। সর্দি-কাশিরোগের ঝুঁকি রয়েছে। জন্মশারীরিক রোগের হাঁপানি ও ফুসফুসের রোগের আশঙ্কা আছে।

চন্দ্রের অশুভ ফল কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. মিষ্টান্ন ভোজন বা কেসর-শুভ্রা, ছোলা বা -গম ধর্ম স্থানে দিন।
২. অমাবস্যার দিন দুধ-চাল ধর্মস্থানে দান করুন।
৩. স্বর্গবাসী পিতৃপুরুষদের নামে শ্রাদ্ধ করুন।

মঙ্গল

আপনার বর্ষফল অনুসারে এই কারণে বর্তমান বছরে আপনার খারাপ চাল-চলন ও সম্বন্ধ আপনার জীবনকে নষ্ট করে দিতে পারে। বোন-মেয়ে, পিসি, শালী সম্পর্কিত মহিলাদের আপনার পরিবারে যাতায়াত, আপনার ও তাদের পরিবারের জন্য অশুভ, যা তাদের ও আপনার, গৃহস্থ সুখের হানি করবে। ঝগড়া/অশান্তি থেকে দূরে থাকুন, নতুবা আপনার সমস্যা বাড়তে পারে।

মঙ্গলের অশুভফল কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. বোন/মেয়ে/পিসি/শালী ঘরে থাকলে বা বিবাহের পরে ঘরে এলে, তাদের প্রতিদিন সকালে চিনি বা মিসরি খাওয়ান। যখন বিবাহিতা আত্মীয়ারা আপনার বাড়ী থেকে স্বশুরবাড়ী ফেরৎ যায় তখন অবশ্যই তাদের সাথে মিষ্টি পাঠান।

২. ভাইপো-ভাইবির সেবা করুন।

বুধ

আগ্নেয়শুভমর্ষএকুডকীরজে বুধই বছর আপনার বিদেশ যাত্রায় বা বিদেশ-সম্বন্ধিত কাজে লাভ হবে। আপনার বলা কথায় জোর থাকবে। আপনি অন্যের পরোয়া করবেন না। মধুর ভাষা ব্যবহার করুন, কল্পনাশীল বিচার রাখুন। আপনার উপর অন্য লোকের প্রভাব থাকবে। আপনি পারিবারিক ঝগড়ায় মধ্যস্থতা করবেন।

বুধেশুভশুভেতু নিম্নলিখিত কর্ম পরিত্যাগ করুন।

বর্জিত কার্য :

১. ডিম-প্যাস্ট্রী ইত্যাদি ডিমের তৈরী খাবার খাবেন না।
২. মদ্যপান এবং আমিষ ভোজন বর্জন করুন।

বৃহস্পতি

অগ্নিশুভমর্ষএকুডকীরজে শুভ, অতএব এ বছর আপনার উন্নতি ও মান - সম্মান বৃদ্ধি পাবে। এ বছর যদি আপনাদের পরিবারে পুত্র সন্তান জন্ম নেয়, তাহলে পরিবারের অগাধ উন্নতি শুরু হয়ে যাবে। পিতা-মাতাশুভমর্ষএকুডকীরজেইদাঙ্গাপ্রমাণযাউন্নতিশুরুদ হবে। বর্ষ শুরু হয়ে যাবে। বংশ বৃদ্ধি/সন্তান সুখ প্রাপ্তি সুনিশ্চিত হবে। লেখনীর দ্বারা আপনি লাভ পাবেন।

গুরুগৃহের শুভত্ব বাড়াতে নিম্নলিখিত কার্য ত্যাগ করুন।

পরহেজ :

১. নাবিকের কাজের সঙ্গে সম্বন্ধ রাখবেন না।
২. নাস্তিকতা ত্যাগ করুন।

শুক্র

অগ্নিশুভমর্ষএকুডকীরজে শুক্রই বছর রঙ্গ -রসিকতায় রুচি রাখা আপনার জন্য ক্ষতিকারক হবে। আপনার পত্নীর ক্রোধ বৃদ্ধি হতে পারে। খারাপ চাল-চলনে অর্থ-হানি ও মান-সম্মান নষ্ট হওয়ার সম্ভাবনা আছে। সন্তানের চিন্তা বা সন্তানের শারীরিক কষ্ট ভোগ হতে পারে। আপনাকে অন্যের ঘরে বসবাস করতে হতে পারে।

শুক্রেয় ক্রমশে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. পত্নী বা মহিলাদের সেবা করুন।
২. মঙ্গলকারী বস্তুর উপযোগ করুন।

শনি

অগ্নিশুভমর্ষএকুডকীরজে শনিগণে আপনি আপনার আত্মীয়

-বন্ধুদের

সাথে লড়াই-বগড়া বা ধোকা করতে পারেন। মদ্যপান করা বা আমিষ ভোজন করা আপনার পরাজয় ও ক্ষতির কারণ হবে। পরিবারে সমস্যা বৃদ্ধি হতে পারে। নিজের স্বাস্থ্য সম্বন্ধে সচেতন থাকুন বিশেষ করে পেট/গলস্টোন ইত্যাদি। নিজের নামে বাড়ী তৈরি করলে পুত্র সুখে বাধা আসতে পারে।

অনিন্দিত জন্মসম্বন্ধে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. বিশুদ্ধ সোনা বা কেসর নিজের কাছে রাখুন।
২. সাপের সম্বন্ধে সাবধান থাকুন।

রাহু

অনিন্দিত জন্মসম্বন্ধে রাহু এই বছর আপনার সরকার বা সরকারী বিভাগ থেকে লাভ হবে, মামারবাড়ীর লোকেদের সময় অত্যন্ত শুভ, আপনি কোনো নতুন ব্যবসায় শুরু করতে পারেন। এ বছর ঘুষ নেওয়ার ইচ্ছা বা বেইমানির ভাবনা আপনার মাথায় আসতে পারে। আপনার সব সময়ে কথা বলে যাওয়ার অভ্যাস বা রোগ হতে পারে, এই ব্যাপারে সাবধান থাকুন।

রাহুর শুভফল বাড়াতে নিম্নলিখিত কার্য বর্জন করুন।

বর্জিত কার্য :

১. ঘরের উঠানে ধোঁয়া করবেন না।
২. ভুঁড়ি না বাড়ে তার বিশেষ খেয়াল রাখুন।

কেতু

অনিন্দিত জন্মসম্বন্ধে কেতু এই বছর বলা বা অনৈতিক সম্বন্ধ আপনার রোগ ও ক্ষতির কারণ হবে। আপনার সন্তান আপনাকে সমাজে অপমানিত করতে পারে। মিথ্যা প্রবোধ আপনার অবনতির কারণ হবে। আপনার মিথ্যাভিমান না করা উচিত। মিথ্যা আশ্বাসন ও মিথ্যা বলা আপনার উন্নতিতে বাধা হবে।

জন্মসম্বন্ধে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. ৪টি কলা ৪ দিন জলে প্রবাহিত করুন।
২. ৪টি লেবু (হলুদ) ৪ দিন জল প্রবাহ করুন।

বর্ষ কো শুভ বনানে হেতু বর্ষারম্ভ মেং উপায়বিধি

* বিশুদ্ধ সোনা পরুন বা কেসরের তিলক করুন।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিতর করুন/শুরু করুন।)

লাল কিতাব বর্ষফল 2023-2024

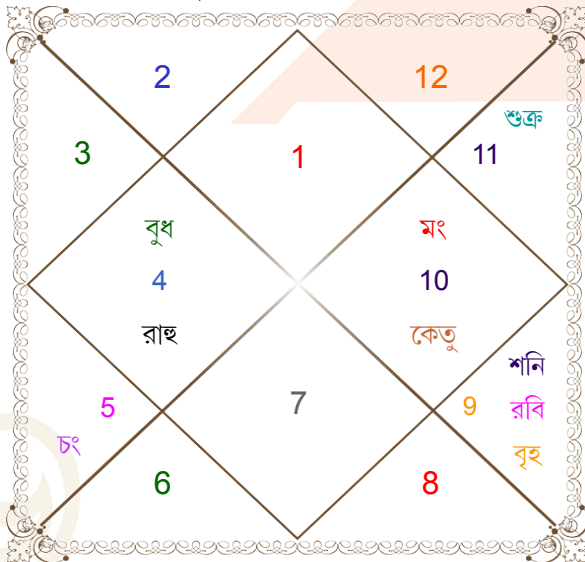
বর্তমান বয়স - 23
বর্তমান দশা - রবি

গ্রহ	অক্ষ	শোয়া	ধর্মী	নেক/মন্দা
রবি	--	--	--	নেক
চং	--	--	--	নেক
মং	হাঁ	--	--	মন্দা
বুধ	--	--	--	নেক
বৃহ	--	--	--	নেক
শুক্ৰ	--	--	--	মন্দা
শনি	--	--	হাঁ	মন্দা
রাহু	--	--	হাঁ	নেক
কেতু	হাঁ	--	--	মন্দা

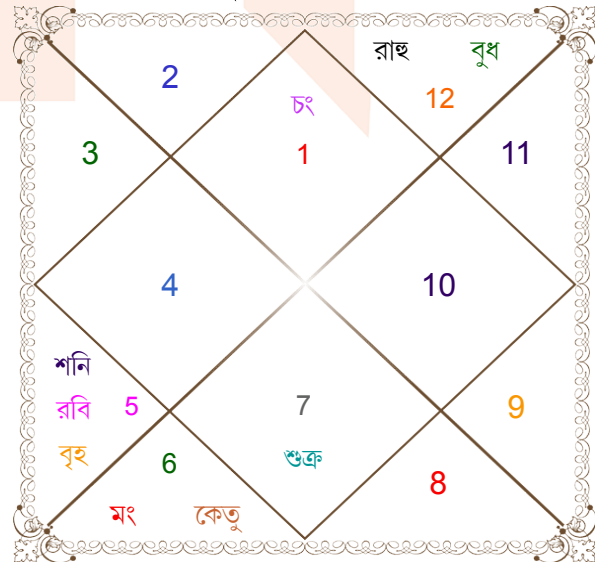
ভাব অবস্থান

খানা	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
শোয়া	হাঁ	হাঁ	হাঁ	--	--	হাঁ	হাঁ	হাঁ	--	--	--	হাঁ

বর্ষ কুন্ডলী ২০২৪



বর্ষ চন্দ্র-কুন্ডলী



লাল কিতাব বর্ষফল 2023-2024

রবি

আপনার বর্ষ কুন্ডলীতে সূর্য ৯ম স্থানে শুভ, এই বছর আপনার উত্তম বাহন সুখ প্রাপ্ত হবে, তীর্থযাত্রার লাভ ও শুভ ফল পাবেন। সমাজ ও পরিবারের জন্য আপনার মনে ত্যাগ ও পরোপকারের ভাবনা থাকবে। পরিবারের পালন পোষণের অতিরিক্ত ভার আপনার উপর পড়বে। স্বপরাক্রম ও সৌভাগ্য বর্ধিত হবে।

স্বর্ষেক্ষিতু নিম্নলিখিত অভ্যাস বর্জন করুন।

বর্জিত কার্য :

১. বিনা পরিশ্রমের বস্তু, দান/উপহার ইত্যাদি নেবেন না।
২. অধিক নম্র বা অধিক উগ্র স্বভাব রাখবেন না।

চন্দ্র

আপনার বর্ষ কুন্ডলীতে চন্দ্র ৫ম স্থানে শুভ ভাবে স্থিত। এই কারণে এই বছর আপনার পরিবারের লোকেদের সোনা-স্বপার লাভ হবে, বিদ্যা লাভও হবে, আপনি অন্যের কষ্ট নিজের উপর নেবেন, পরোপকার করবেন। লড়াই-ঝগড়ায় আপনি যার সাথ দেবেন সেই ব্যক্তির জিত হবে। আপনার প্রভূত প্রতিপত্তি হবে ও সমাজে আপনার মান-সম্মান বাড়বে।

চন্দ্রের শুভত্ব বৃদ্ধির জন্য নিম্নলিখিত কার্য পরিত্যাগ করুন।

বর্জিত কার্য :

১. সব কাজে কারো না কারো পরামর্শ অবশ্যই নেবেন।
২. পাপ কাজে কোনো হস্তক্ষেপ করবেন না।

মঙ্গল

আপনার বর্ষ কুন্ডলীতে মঙ্গল ৬ম স্থানে এই বছর আপনি অন্যায় কার্য করলে অথবা সরকারী বা সেনা বিভাগের বিরুদ্ধে কার্য করলে আপনার জীবন নষ্ট হতে পারে। সোনা বেচলে বা বন্ধক রাখলে স্ত্রী/সন্তানের চিন্তা, মান-সম্মানের হানি হবে। বেশী নুন খাওয়া বা নোনতা খাবারের প্রতি অধিক শখ থাকলে আপনার রক্তচাপ বৃদ্ধি বা উগ্র স্বভাব হবে।

স্বপরাক্রমের ক্ষতি নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. হরিণের সেবা বা পালন করুন।
২. কালা-কানা, নেড়া, ব্যক্তিদের সেবা করুন।

বুধ

ভার্গবর্ষেও কুস্ত্রীয়ে জেঙ্কু আপনার ধন লাভ, পরিবারের সকলে সুখী থাকবে ও সুখ সামগ্ৰী পাবে। সবমিলিয়ে রাজযোগের সময় চলছে, বিদেশ যাত্রা বা বিদেশ থেকে লাভ প্রাপ্ত হবে। বোন-মেয়ে, পিসি-শালীদের থেকে লাভ হতে পারে। মায়ের ধন-সম্পদের থেকে লাভ হবে কিন্তু মাতৃ সুখের হানির আংশকা আছে।

সুখেদিশুহেতু নিম্নলিখিত অভ্যাস পরিত্যাগ করুন।

পরহেজ :

১. মেয়ে-বোন, পিসি-শালী দের সঙ্গে ঝগড়া করবেন না।
২. বিধবা স্ত্রীদের সঙ্গে সম্বন্ধ রাখবেন না।

বৃহস্পতি

অক্ষয়বর্ষেও কুস্ত্রীয়ে এই বছর আপনি পূর্ব পুরুষের দ্বারা লাভ প্রাপ্ত করবেন, জ্যোতিষ ও গুপ্ত বিদ্যায় রুচি থাকবে। আপনার পরিবারের লোকেদের মান-সম্মান বাড়বে। আপনি দুনিয়ায় নিজের পরিবারের নাম উজ্জ্বল করবেন। জহরী/স্বর্গকারের কাজে লাভ হতে পারে।

গুরু শূভত্ব বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত কর্ম পরিহার করুন।

বর্জিত কার্য :

১. প্রতিজ্ঞা রক্ষা করুন।
২. সোনা বন্ধক রাখবেন না।

শুক্র

অপশাওবর্ষেও কুস্ত্রীয়ে এই বছর আপনি অপ্রাকৃতিক যৌনসম্বন্ধের শিকার হতে পারেন। কামুক স্বভাবের সাথে সাথে পাপ কার্যেও জড়িত হতে পারেন। আপনার কাম শক্তি দুর্বল হয়ে যেতে পারে। কন্যা সন্তানের জন্য চিন্তা থাকবে। আপনি কোনো মুর্থতাপূর্ণ কাজ করতে পারেন এবং তার পরে অহেতুক হতাশাগ্রস্ত হবেন। কোনো মহিলার কারণে আপনার অর্থ, সময় ও ব্যবসা নষ্ট হতে পারে।

সুখেদিশুহেতু নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. মাতা বা পত্নীর হাত দিয়ে সরসের তেল দান করান।
২. গোদান করুন।
৩. নপুংসকতা-বোধ প্রাকৃতিক চিকিৎসার দ্বারা নিরাময় হতে পারে।

শনি

জন্মদিনের বর্ষের কষ্টকালীন শনি যদি আপনি জুয়া -টা ইত্যাদি খেলেন তাহলে আপনার ক্ষতি হতে পারে। লোহা, মেশিনারীর কাজ ভালো করে ভেবে চিন্তা করে না করলে লাভ কম হবে। বড়লোকদের ধন লুট করে গরীবদের মধ্যে বিলি করার ভাবনা আপনার মাথায় আসতে পারে। নাস্তিকতা আপনার হার ও ক্ষতির কারণ হতে পার। সবসময়ে ধার্মিক বিচার রাখুন।

শনির অশুভফল কম করতে নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. কপালে কেসরের তিলক করুন।
২. বাড়ীর শেষ প্রান্তে একটি অক্ষকার ঘর তৈরি করান।

রাহু

জন্মদিনের বর্ষের কষ্টকালীন রাহু কায় এ বছর আপনি বয়স্ক ব্যক্তিদের থেকে প্রচুর লাভ পাবেন। বিগত সময়/বছর আপনার আর্থিক অনটন থাকলে এই বছর আপনার ধন লাভ হবে। মাতা/শ্বশুরীর থেকেও আপনি লাভ পাবেন। বাসস্থান, বাহন সুখ ছাড়াও অন্যান্য সমস্ত প্রকারের সুখ-সামগ্রী উপভোগ করবেন। সরকারী বিভাগে অথবা কোনো সংগঠনে আপনি উচ্চ পদ প্রাপ্ত করতে পারেন।

রাহুর শুভফল বৃদ্ধি হেতু নিম্নলিখিত কার্য বর্জন করুন।

বর্জিত কার্য :

১. নিজের বয়সের থেকে বড় কোনো মহিলার সঙ্গে কোনো প্রকারের অবৈধ সম্বন্ধ রাখবেন না।
২. গঙ্গা নদীতে স্নান করবেন না।

কেতু

জন্মদিনের বর্ষের কষ্টকালীন কেতু বছর আপনার পরস্পত্রীর সঙ্গে সম্বন্ধ রাখা সন্তান কষ্টের বা সন্তান সম্বন্ধীয় দুশ্চিন্তার কারণ হবে। ভাইয়ের সাথে ঝগড়া/মতবিরোধ আপনার অবনতির কারণ হবে। ভাই কোনো ত্রুটি করলেও তাকে ক্ষমা করা আপনার জন্য লাভদায়ক হবে। আপনার প্রভূত উন্নতি হবে কিন্তু মাতা বা শ্বশুরী স্বাস্থ্য সম্বন্ধে দুশ্চিন্তা থাকবে।

কেতুর ক্ষয় নিম্নলিখিত উপায় করুন।

উপায় :

১. বাড়ীর ভিতের নীচে রূপোর পায়ে মধু ভরে রেখে দিন।
২. ঘরে রূপোর পায়ে মধু ভরে রাখা শুভ ফলদায়ক।

বর্ষ কো শুভ বনানে হেতু বর্ষারম্ভ মেং উপায়বিধি

* ৪৩ দিন হলুদ/কেসরের তিলক করুন।

(উপরোক্ত উপায় জন্মদিনে অথবা জন্মদিন থেকে ৪০ দিনের ভিতর করণ/শুরা করণ।)



লাল কিতাব-উপায়

লাল কিতাবের উপায় কখন আর কিভাবে করবেন ?

১. উপায় সূর্য উদয়ের পরে এবং সূর্যাস্ত অবধি দিনেরবেলা করুন, রাতে উপায় করলে অনেকবার অশুভ ফল দেয়। কেবল চন্দ্র গ্রহণের উপায় রাতে করা যায়।
২. উপায় শুরু করার জন্য কোনো শুভ দিন সোমবার বা মঙ্গলবার, সক্রান্তি, অমাবস্যা বা পূর্ণিমার কোনো বিচার হবেনা।
৩. কোনো রক্তোসম্বন্ধী আত্মীয় ভাই-ভগ্নী, মাতা-পিতা, দাদু-দীদা, পুত্র-পুত্রী উপায় করতে পারে জা ফলপ্রসূ হবে।
৪. এক দিনে কেবল একটি উপায় করুন, এক দিনে দুই উপায় করলে শুভ ফল হবেনা অথবা উপায় নিষ্ফল হবে।
৫. মানা করা জেমন মাংস-মাছ, মদিরাপান করবেনা, চাল-চলন সঠিক, মিথ্যা বাক্য, উচ্ছিষ্ট খাবেনা খাওয়াবেনা, পরস্কত্রী-পরপুরুষ সংগে সম্বন্ধ করবেনা।
৬. জা উপায় জে সময় জন্য লেখা তত সময় অবধি করুন।
৭. যদি কোনো কারণে উপায় মধ্যখানে বন্ধ করতে হয় তো জে দিন উপায় বন্ধ করবেন তার পূর্বদিনে সামান্য চাল দুধে ধুয়ে সাদা কাপড়ে বেঁধে নিজের কাছে রেখে দিন আর জখন আবার উপায় শুরু করবেন আই চাল ধর্ম স্থান কিংবা বহমান জলে বা কোনো বাগান ইত্যাদিতে ফেলে দিয়ে উপায় শুরু করুন। এতদ্বারা উপায় পূর্ণ ফলপ্রসূ হবে।
৮. সমস্ত উপায় ৪৩ দিন বা ৪৩ সপ্তাহ বা ৪৩ মাস বা ৪৩ বর্ষ অবধি করুন, উপায় চলা কালীন ৩৯ দিন মধ্য ভঙ্গ হোলে সব নিষ্ফল হোতে পরে অথবা শুভ ফল কম হবে।
৯. জন্ম কুন্ডলীতে অশুভ গ্রহের বর্ষফল কুন্ডলীতে উপায় জন্মদিন থেকে ৪০-৪৩ দিনের ভিতর করুন।
১০. ঘরে সূতক (শিশু জন্ম) অথবা পাতক (কারো মৃত্যু) ঘটিত হয় তো ৪০ দিন উপায় না করা উচিত।
১১. পরিবারের রিতী-নীতি এবং সমাজ সংস্কার অনুযায়ী পূর্ণ করুন।